जुलाई माह में डिजिटल ट्रांजेक्शन से 11 करोड़ रूपये से अधिक का रेलवे राजस्व अर्जित किया

जबलपुर 21 अगस्त। रेलवे में यात्रियों को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक से कैशलेस ट्रांजेक्शन सुविधा की उपयोगिता को निरंतर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल में भी डिजिटल तकनीक के माध्यम से कैशलेस ट्रांजेक्शन सुविधा को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसके चलते तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में पीआरएस काउंटर्स, यूटीएस काउंटर्स एवं पार्सल कार्यालयों पर पीओएस मशीन से कैशलेस ट्रांजेक्शन में वृद्धि हो रही है। इसके अलावा अन्य तरह के डिजिटल तकनीक जैसे भीम/ यूपीआई तथा मोबाइल टिकटिंग के माध्यम से भी कैशलेस ट्रांजेक्शन सुविधा को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। **पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के अकेले जुलाई माह में पीआरएस एवं यूटीएस से डिजिटल कैशलेस ट्रांजेक्शन से 14 लाख 47 हजार 766 यात्रियों से 11 करोड़ 15 लाख 50 हजार 180 रूपये का रेलवे राजस्व अर्जित किया है।**

जुलाई माह में **आरक्षण कार्यालय (पीआरएस)** में पीओएस मशीन से 2189 यात्रियों से 15 लाख 10 हजार 480 रूपये का राजस्व अर्जित किया। वहीं भीम/यूपीआई ऐप प्रणाली का उपयोग कर 106311 यात्रियों से 5 करोड़ 32 लाख 76 हजार 995 रूपये का राजस्व अर्जित किया। इसी प्रकार **यूटीएस में मोबाइल टिकटिंग** से 7 लाख 10 हजार 502 यात्रियों से 1 करोड़ 29 लाख 98 हजार 495 का राजस्व अर्जित किया। वहीं भीम/ यूपीआई ऐप प्रणाली का उपयोग कर 628764 यात्रियों से 4 करोड़ 37 लाख 64 हजार 210 रूपये का राजस्व अर्जित किया।

डिजिटल ऑनलाइन भुगतान से नगदी ले जाने की आवश्यकता खत्म हो जाती है और इससे समय की भी बचत होती है। डिजिटल भुगतान मोड को एन्क्रिप्शन और डेटा प्रमाणीकरण के विभिन्न स्तरों के साथ सुरक्षित बनाया गया है।

पश्चिम मध्य रेलवे तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में डिजिटल ऑनलाइन मोड कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

संख्या : पमरे/मुख्या/मुजसअधि/प्रेस विज्ञप्ति/317/2025 दिनांक 21.08.2025

सम्माननीय संपादक, कृपया जनहित में उपरोक्त समाचार अपने लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित कर सहयोग प्रदान करें।

मुख्य जनसंपर्क अधिकार
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर